<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

चंडीगढ, 10 फरवरी, 2018

वरिष्ठ कांग्रेस नेता व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मीडिया प्रभारी, श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भाजपा शासित गोवा सरकार के मंत्री विजय सरदेसाई द्वारा उत्तरी भारतीयों को गंदे कीड़े बताए जाने और हरियाणा प्रदेश को अपमानित करने की घोर निंदा करते हुए उन्हें मंत्रीमंडल से बर्खास्त किए जाने की मांग की है।

गोवा के मंत्री श्री सरदेसाई ने कल आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय पर्यटकों और विशेष रुप से उत्तर भारतीयों को नाली के गंदे कीड़े की संज्ञा देते हुए कहा था कि वे गोवा के अंदर हरियाणा बना रहे हैं।

आज यहाँ जारी एक प्रैस बयान में हरियाणा विधानसभा सदस्य श्री सुरजेवाला ने कहा कि सभी हरियाणावासियों की भावनाएँ भाजपा सरकार के मंत्री विजय सरदेसाई के बयान से आहत हुई हैं और उन्होंने प्रदेश का अपमान किया है। ऐसे में यदि भाजपा उस मंत्री को बर्खास्त नहीं करवाती तो इसका सीधा मतलब होगा कि उक्त मंत्री द्वारा प्रदेशवासियों के इस अपमान को भाजपा नेतृत्व की सहमति और समर्थन प्राप्त है, जिसे प्रदेश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

हरियाणा की महान संस्कृति और विरासत की चर्चा करते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा कि गीता का संदेश भगवान श्री कृष्ण ने हरियाणा की धरती कुरुक्षेत्र में दिया था। हरियाणावासियों ने हर क्षेत्र में राष्ट्र की प्रगति और देश का मान-सम्मान बढ़ाने में विशिष्ट योगदान दिया है। हरियाणा के मेहनती किसान देश के अन्न भंडार भरते हैं, हरियाणा के वीर सैनिक देश की सुरक्षा में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं और देश का हर दसवाँ सैनिक हरियाणा से संबंध रखता है। प्रदेश के खिलाड़ी भारत का नाम अंतर्राष्ट्रीय मंचों और प्रतियोगिताओं में पदक लेकर ऊँचा कर रहे हैं।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि पिछले चार वर्ष के कार्यकाल में श्री खट्टर प्रदेश के हितों की आवाज उठाने और प्रदेश की जनता के सम्मान की रक्षा करने में पूरी तरह विफल रहे हैं। श्री खट्टर को यह नहीं भूलना चाहिए कि मुख्यमंत्री होने के नाते उन पर पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी है और उन्हें इस मामले पर तुरंत प्रदेशवासियों की नाराजगी जाहिर करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व से श्री सरदेसाई को बर्खास्त

करवाना चाहिए। अगर वे इस पूरे मामले में उचित कार्यवाही करवाने में अक्षम रहते हैं तो उन्हें मुख्यमंत्री के पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है और उन्हें स्वयं अपने पद से त्याग पत्र दे देना चाहिए।